NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

APRIL-2025

Your Path to Success

खंड - अ

प्रश्न 1 - इतिहास स्वयं _____ विश्लेषण पर आधारित है।

(A) अवलोकन के

(B) दस्तावेजों के

(C)सामान्य अध्ययन के

(D) तुलनात्मक डेटा के

उत्तर - (B) दस्तावेजों के

प्रश्न 2 - अर्थशास्त्र _____ पहलुओं का अध्ययन करता है।

(A) उत्पादन

(B) वितरण

(C) विनिमय

(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (D) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 3 - निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रामीण जीवन से मेल खाता है?

(A) व्यक्तिवाद

(B) शहरोन्मुख

(C) समूह भावना

(D) तकनीकी-केन्द्रित

उत्तर - (C) समूह भावना

प्रश्न 4 - निम्नलिखित में से कौन-सा समाज और समुदाय के बीच अंतर बताने वाला तत्त्व है?

(A) लोगों का समूह

(B) रुचि की समानता

(C) निश्चित इलाका

(D) एकता की भावना

उत्तर - (C) निश्चित इलाका

प्रश्न 5 - निम्नलिखित में से किसका क्षेत्रीय आधार है?

(A) समाज

(B) समुदाय

(C) समूह

(D) क्लब

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - (B) समुदाय

प्रश्न 6 - अन्तःविवाह एक ऐसा रिवाज है, जिसमें विवाह किस जाति/समूह में करना पड़ता है?

(A) उच्च जाति में

(B) अपने ही समूह में

(C) अपने समूह से बाहर

(D) निम्न जाति में

उत्तर - (B) अपने ही समूह में

प्रश्न 7 - मृत्यु दर में कमी के कारण हुई है

(A) जनसंख्या में वृद्धि

(B) जनसंख्या में कमी

(C) स्थिर अर्थव्यवस्था

(D) बेरोजगारी

उत्तर - (A) जनसंख्या में वृद्धि

प्रश्न 8 - मुगल सम्राटों में सबसे शक्तिशाली बादशाह अकबर ने किस राज्य धर्म की अवधारणा का प्रचार किया?

(A) हिन्दू धर्म

(B) इस्लाम धर्म

(C) दीन-ए-इलाही धर्म

(D) बौद्ध धर्म

उत्तर - (C) दीन-ए-इलाही धर्म

प्रश्न 9 - त्रेता युग में, जाटव _____ थे।

(A) ब्राह्मण

(B) क्षत्रिय

(C) वैश्य

(D) शूद्र

उत्तर - (B) क्षत्रिय

प्रश्न 10 - पारसी धर्म सबसे प्राचीन जीवित धर्मों में से एक है, जिसका इतिहास _____ पुराना है।

(A) दो हजार साल

(B) एक हजार साल

(C) चार हजार साल

(D) तीन हजार साल

उत्तर - (D) तीन हजार साल

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 11 - बौद्ध धर्म ने भारत में किसके शासन में प्रमुख स्थान प्राप्त कर लिया था?

(A) सम्राट अशोक **(B) अकबर**

(C) हर्षवर्धन **(D) पाल**

उत्तर – (A) सम्राट अशोक

प्रश्न 12 - किस सन् में कोचीन के राजा ने यहूदियों को रहने और विशेषाधिकारों का आनंद लेने का अधिकार दिया?

(A) 1029 **(B) 1030**

(C) 1020 **(D) 1025**

उत्तर - (C) 1020

प्रश्न 13 - सिख शिष्य हैं

(A) पाँच गुरुओं के **(B) दस गुरुओं के**

(C) चार गुरुओं के **(D) दो गुरुओं के**

उत्तर - (B) दस गुरुओं के

प्रश्न 14 - हमारे देश में 6–14 वर्ष के आयु वर्ग के अशिक्षित बच्चों की संख्या कितनी है ?

(A) 3 करोड़ **(B) 4 करोड़**

(C) 6 करोड़ **(D) 5 करोड़**

उत्तर - (B) 4 crores

प्रश्न 15 - जूडेइज़्म के अनुयायियों को कहा जाता है

(A) मज़दावाद (ज़रतश्ती धर्म) **(B) जैन**

(C) बौद्ध **(D) यहूदी**

उत्तर - (D) यहूदी

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 16 - अस्पृश्यता अपराध अधिनियम किस वर्ष में घोषित किया गया ?

(A) 1955 **(B) 1976**

(C) 1958 **(D) 1956**

उत्तर - (A) 1955

प्रश्न 17 - बिहार के छोटानागपुर में संथाल विद्रोह किस वर्ष में हुआ था?

(A) 1831 **(B) 1857**

(C) 1855 **(D) 1821**

उत्तर - (C) 1855

प्रश्न 18 - रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(a) _____ काम करने या व्यवहार करने का एक स्थापित तरीका है ।

उत्तर - संस्था

(b) पति, पत्नी और अविवाहित बच्चों वाले परिवार को _____ परिवार कहते हैं।

उत्तर - एकाकी

प्रश्न 19 - रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(a) पारंपरिक समाज की विशेषता _____ श्रम था।

उत्तर - मानव द्वारा किया गया

(b) चुनाव नागरिकों में _____ की भावना पैदा करते हैं।

उत्तर - उत्तरदायित्व

प्रश्न 20 - एक शब्द में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(a) एक महिला उन पुरुषों से विवाह करती है, जो भाई होते हैं। इस प्रथा को कहा जाता है _____।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - बहुपति प्रथा

(b) पिता और पुत्री, माता और पुत्र, भाई और बहन के बीच निषिद्ध वैवाहिक संबंध को कहा जाता है _____।

उत्तर - अनाचार

(c) वह विवाह, जिसमें निम्न जाति का लड़का उच्च जाति की लड़की से विवाह करता है, उसे कहा जाता है _____।

उत्तर - प्रतिलोम विवाह

(d) एक व्यक्ति के रिश्तेदारों के द्विपक्षीय समूह का वर्णन करता है, उसे कहा जाता है _____।

उत्तर - द्विपार्श्विक नातेदारी

(e) वह नातेदारी व्यवहार, जिसमें दो नातेदार एक-दूसरे का संबोधन सीधे नहीं करते, उन्हें कहते हैं _____।

उत्तर – अप्रत्यक्ष संबोधन

प्रश्न 21 – सही या गलत लिखिए

(a) महिलाओं पर घरेलू हिंसा जाति से ऊपर है।

उत्तर - सही ✅

(b) पितृवंशीय परिवार में बेटियों को विरासत और उत्तराधिकार का अधिकार मिलता है।

उत्तर - गलत ❌ (पितृसत्तात्मक परिवार में पुत्रियां उत्तराधिकार और संपत्ति में अधिकार नहीं रखती)

प्रश्न 22 – सही या गलत लिखिए

(a) समाजशास्त्री अपने आंकड़े अभिलेखागार से प्राप्त करते हैं।

उत्तर - सही ✅

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(b) समाजशास्त्र एक अवलोकनात्मक विज्ञान है।

उत्तर - सही ✅

(c) राजनीति विज्ञान मानव समाज की सभी संस्थाओं का अध्ययन करता है।

उत्तर - गलत ❌ (राजनीति विज्ञान केवल राजनीति, शासन और सत्ता की संस्थाओं का अध्ययन करता है, समाज की सभी संस्थाओं का नहीं।)

प्रश्न 23- कॉलम—A का कॉलम—B से मिलान कीजिए :

कॉलम—A	कॉलम—B
(a) डिन्क	(i) वर्गहीनता की स्थिति
(b) अधिकार	(ii) वह व्यक्ति जिसके आधार पर नातेदारी निश्चित की जाती है
(c) साम्यवादी समाज	(iii) नौकरी पेशा दम्पति, जिनके कोई बच्चे नहीं हैं
(d) ईगो	(iv) जब सत्ता वैध हो

उत्तर -

कॉलम—A	कॉलम—B
(a) डिन्क	(iii) नौकरी पेशा दम्पति, जिनके कोई बच्चे नहीं हैं
(b) अधिकार	(iv) जब सत्ता वैध हो
(c) साम्यवादी समाज	(i) वर्गहीनता की स्थिति
(d) ईगो	(ii) वह व्यक्ति जिसके आधार पर नातेदारी निश्चित की जाती है

प्रश्न 24 - निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

विकास की अवधारणा हाल ही के वर्षों में विकसित हुई है। इसका लक्ष्य वांछित दिशा में परिवर्तन होता है। यह समाज के सदस्यों द्वारा वांछनीय समझी जाने वाली एक दिशा में सुनियोजित सामाजिक परिवर्तन की रणनीति होती है। यह संदर्भपरक और प्रकृति सापेक्ष होती है। अतः विकास का विचार एक समाज से दूसरे समाज में अलग-अलग हो सकता है। यह समाज की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भौगोलिक और राजनैतिक स्थितियों पर आधारित होता है। यह एक मिला-जुला विचार है। इसमें अन्य विभिन्न क्षेत्रों जैसे-व्यापार, कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा इत्यादि की प्रगति सम्मिलित होती है। इसी के साथ, कमज़ोर वर्गों, महिलाओं, बीमार, बुज़ुर्गों, बेरोज़गारों के कल्याण-कार्यक्रम भी विचारणीय बिंदुओं में से कुछ हैं। अतः विकास एक मूल्य-परिपूरित विचार है, जिसमें सामाजिक-सांस्कृतिक तथा आर्थिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाता है।

(a) विकास की रणनीति योजना की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - विकास की रणनीति समाज के सदस्यों द्वारा वांछित दिशा में किया जाने वाला एक सुनियोजित सामाजिक परिवर्तन है।

(b) यह किस पर आधारित है?

उत्तर - यह समाज की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भौगोलिक और राजनैतिक स्थितियों पर आधारित है।

(c) इसमें प्रगति कैसे शामिल हुई?

उत्तर - विकास में व्यापार, कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसे विविध क्षेत्रों के समन्वित उत्थान और सर्वांगीण सुधार को सम्मिलित किया गया जिससे इसमें प्रगति शामिल हुई।

(d) यह मूल्य-परिपूरित विचार कैसे है?

उत्तर - यह मूल्य-परिपूरित विचार इसलिए है क्योंकि इसमें सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक आवश्यकताओं के साथ कमजोर वर्गों के कल्याण को भी शामिल किया गया है।

प्रश्न 25 –निम्नलिखित दावा-कारण प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) निम्नलिखित के आधार पर सही विकल्प की पहचान कीजिए :

दावा (A) : ग्रामीण और शहरी समाजों के बीच निरंतर अंत:क्रिया होती रहती है।

कारण (R) : दोनों समुदायों द्वारा निरंतर आमने-सामने बातचीत।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(A) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है

(B) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

(C) दोनों (A) और (R) सही हैं

(D) दोनों (A) और (R) गलत हैं

उत्तर - (C) दोनों (A) और (R) सही हैं

(b) निम्नलिखित के आधार पर सही विकल्प की पहचान कीजिए :

दावा (A) : जाति व्यवस्था कर्मकाण्ड पर आधारित है।

कारण (R) : वर्ग धर्मनिरपेक्ष मानदंडों पर आधारित नहीं है।

(A) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है

(B) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

(C) दोनों (A) और (R) सही हैं

(D) दोनों (A) और (R) गलत हैं

उत्तर - (A) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है

(वर्ग धर्मनिरपेक्ष मानदंडों जैसे आय, शिक्षा पर आधारित होता है)

(c) निम्नलिखित के आधार पर सही विकल्प की पहचान कीजिए :

दावा (A) : सामाजिक परिवर्तनों की पद्धति प्रकृति की लय की तरह है जैसे दिन और रात, जिनका एक पूर्व निर्धारित जीवन-चक्र होता है।

कारण (R) : तीव्र परिवर्तन, नजदीक से देखने पर, गतिविधियों के दोहराव वाले समूह प्रतीत होते हैं और ये गतिविधियाँ चक्रीय पद्धति नहीं बनातीं हैं।

(A) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

(B) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है

(C) दोनों (A) और (R) सही हैं

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(D) दोनों (A) और (R) गलत हैं

उत्तर - (B) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है

(ये गतिविधियाँ चक्रीय पद्धति बनातीं हैं।)

(d) निम्नलिखित के आधार पर सही विकल्प की पहचान कीजिए :

दावा (A) : हमारे समाज में लड़कियों को भेदभावपूर्ण व्यवहार सहना पड़ता है।

कारण (R) : लड़कियाँ अपनी शिक्षा के अवसरों से वंचित हैं।

(A) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है

(B) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

(C) दोनों (A) और (R) सही हैं

(D) दोनों (A) और (R) गलत हैं

उत्तर – (C) दोनों (A) और (R) सही हैं

“ खण्ड-ख”

(SECTION—B)

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 80 से 120 शब्दों में लिखिए:

प्रश्न 26: आनुभविक विधि किससे संबंधित है?

उत्तर: अनुभवात्मक विधि समाजशास्त्र और अन्य सामाजिक विज्ञानों में प्रयोग की जाने वाली एक शोध पद्धति है। यह सीधे अनुभव और अवलोकन से संबंधित होती है। इसमें तथ्यों, आंकड़ों और प्रमाणों के आधार पर निष्कर्ष निकाले जाते हैं, न कि केवल विचार या सिद्धांतों से। अनुभवात्मक विधि में सर्वेक्षण, साक्षात्कार, प्रेक्षण और प्रयोग जैसे तरीके शामिल हैं। इसका उद्देश्य समाज में घटित होने वाली वास्तविक घटनाओं, व्यवहार और प्रक्रियाओं को समझना और उनका विश्लेषण करना है। यह पद्धति वास्तविक डेटा पर आधारित निष्पक्ष ज्ञान प्रदान करती है।

प्रश्न 27: 'किब्बूट्ज़' की व्याख्या कीजिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर: किब्बूट्ज़ एक इस्राइली सामूहिक बस्ती है जिसमें लोग जमीन, पूँजी और संसाधनों को साझा करते हैं। इसमें उत्पादन, वितरण और उपभोग सामूहिक रूप से होता है। सामाजिक समानता और सहयोग किब्बूट्ज़ की मुख्य विशेषता है। हर सदस्य अपने योग्यता और क्षमता के अनुसार कार्य करता है और आवश्यकताओं के अनुसार संसाधन प्राप्त करता है। यह प्रणाली पारिवारिक इकाई से अधिक सामूहिक जीवन पर आधारित होती है। इसमें निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाते हैं और व्यक्तिगत संपत्ति न्यूनतम होती है। किब्बूट्ज़ सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से एक आदर्श सहयोगात्मक समुदाय के रूप में माना जाता है।

अथवा

आप नवस्थानिक परिवार से क्या समझते हैं?

उत्तर: नवस्थानिक परिवार वह परिवार है जिसमें विवाह के बाद दंपति अपने अलग निवास स्थान पर रहते हैं। इसमें दंपति माता-पिता या बड़े परिवार के साथ नहीं रहते। नवस्थानिक परिवार व्यक्तिगत स्वतंत्रता, गोपनीयता और आर्थिक स्वायत्तता पर आधारित होता है। यह परिवार आधुनिक समाजों में अधिक सामान्य है, जहाँ दंपति अपने करियर, सुविधा और व्यक्तिगत निर्णयों के अनुसार अपने घर की स्थापना करते हैं। इस प्रकार, नवस्थानिक परिवार परंपरागत संयुक्त परिवार से भिन्न होता है।

प्रश्न 28: सामाजिक स्तरीकरण को परिभाषित कीजिए।

उत्तर: सामाजिक स्तरीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें समाज को विभिन्न सामाजिक स्तरों या वर्गों में विभाजित किया जाता है। यह विभाजन आर्थिक स्थिति, जाति, पेशा, शिक्षा और शक्ति के आधार पर होता है। प्रत्येक स्तर के लोगों के अधिकार, कर्तव्य और सामाजिक स्थिति अलग होती है। सामाजिक स्तरीकरण समाज में पदानुक्रम, असमान अवसर और सामाजिक भेदभाव को जन्म देता है। यह प्रणाली स्थायी या अस्थायी हो सकती है, और इसके कारण सामाजिक गतिशीलता और असमानता पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

प्रश्न 29: आप नियम अनुकूलन आदत से क्या समझते हैं?

उत्तर: नियम अनुकूलन आदत वह आदत है जिसमें व्यक्ति समाज के कायदे-कानून और सामाजिक नियमों का पालन करता है। यह आदत व्यक्ति के व्यवहार में अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी का निर्माण करती है। नियमों का पालन न केवल समाज में व्यवस्था बनाए रखता है, बल्कि व्यक्तिगत और सामूहिक जीवन को सहज और सुरक्षित बनाता है। नियम अनुकूलन आदत व्यक्तियों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाती है और समाज में सुसंगठित व्यवहार को प्रोत्साहित करती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 30: सामाजिक परिवर्तन के क्रमिक विकास के सिद्धांत को संक्षेप में समझाइए।

उत्तर: सामाजिक परिवर्तन के क्रमिक विकास का सिद्धांत बताता है कि समाज धीरे-धीरे **साधारण से जटिल** और **पारंपरिक से आधुनिक** संरचनाओं की ओर विकसित होता है। इस सिद्धांत के अनुसार परिवर्तन एक क्रमिक और प्राकृतिक प्रक्रिया है। इसमें तकनीकी, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक कारक समाज को विकसित और बदलते रहते हैं। सामाजिक संस्थाएँ, प्रथाएँ और मूल्य समय के साथ बदलते हैं और समाज के विकास में योगदान करते हैं। यह सिद्धांत सामाजिक विकास की क्रमिकता और दिशा पर बल देता है।

प्रश्न 31. अनुसूचित जातियाँ किन समस्याओं का सामना करती हैं?

उत्तर: अनुसूचित जातियों कि समस्याएँ:-

1. **जातिगत भेदभाव और सामाजिक अपमान –** समाज में उन्हें नीचा दिखाया जाता है और भेदभाव झेलना पड़ता है।
2. **शिक्षा में असमानता –** स्कूलों और उच्च शिक्षा में सीमित अवसर और अभाव।
3. **रोजगार और आर्थिक पिछड़ापन –** अच्छी नौकरी और आय के स्रोतों की कमी।
4. **भूमि और संसाधनों की कमी –** कृषि योग्य भूमि या अन्य प्राकृतिक संसाधनों का अभाव।
5. **राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक सुरक्षा में कमी –** समाज और प्रशासन में प्रभाव और सुरक्षा सीमित।

अथवा

अनुसूचित जनजातियाँ किन विभिन्न समस्याओं का सामना करती हैं?

उत्तर: अनुसूचित जनजातियों कि समस्याएँ:-

1. **आर्थिक पिछड़ापन –** रोजगार के अवसर सीमित, आय के साधन कम और गरीबी अधिक।
2. **शिक्षा और स्वास्थ्य में कमी –** स्कूल, कॉलेज और स्वास्थ्य सेवाएँ दूर-दराज क्षेत्रों में अपर्याप्त।
3. **भौगोलिक और सामाजिक अलगाव –** कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में रहने के कारण विकास योजनाओं का लाभ नहीं मिलता।
4. **सांस्कृतिक एवं पारंपरिक अधिकारों की हानि –** भूमि, जंगल और संसाधनों पर उनके पारंपरिक अधिकारों का उल्लंघन।
5. **राजनीतिक और सामाजिक प्रतिनिधित्व की कमी –** निर्णय लेने वाली संस्थाओं में उनका प्रभाव और भागीदारी सीमित।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 से 200 शब्दों में दीजिए :

प्रश्न 32: समूह और समाज के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

आधार	समूह	समाज
परिभाषा	दो या दो से अधिक लोग जो किसी सामान्य लक्ष्य, हित या गतिविधि के लिए जुड़े हों	व्यक्तियों और समूहों का व्यापक संगठन जो साझा संस्कार, नियम और संस्कृति पर आधारित हो
आकार और सीमा	आकार में छोटा और सीमित, जैसे परिवार या मित्र समूह	आकार में बड़ा और व्यापक, जैसे शहर या राष्ट्र
संबंध का प्रकार	संबंध व्यक्तिगत, घनिष्ठ और प्रत्यक्ष होते हैं	संबंध औपचारिक, अप्रत्यक्ष और जटिल होते हैं
नियम और नियंत्रण	नियम अनौपचारिक और आपसी सहमति पर आधारित	नियम औपचारिक होते हैं और कानून द्वारा नियंत्रित
उद्देश्य	सामान्य हित या किसी विशेष लक्ष्य की प्राप्ति	सामाजिक व्यवस्था, स्थिरता और निरंतरता बनाए रखना
निष्कर्षात्मक स्वरूप	व्यक्ति-केंद्रित और सीमित संरचना	व्यापक, संगठित और संरचित सामाजिक व्यवस्था

प्रश्न 33: प्राथमिक समूह की क्या विशेषताएँ हैं?

उत्तर: प्राथमिक समूह समाज का आधार हैं और इसमें गहरे और व्यक्तिगत संबंध होते हैं। इसकी विशेषताएँ:

1. **सघन और व्यक्तिगत संपर्क:** सदस्य एक-दूसरे से प्रत्यक्ष और लगातार संपर्क में रहते हैं।
2. **भावनात्मक निकटता:** प्यार, स्नेह और सहयोग पर आधारित गहरा संबंध होता है।
3. **छोटा आकार:** समूह सामान्यतः छोटा होता है, ताकि सदस्य आपस में जुड़ सकें।
4. **दीर्घकालिक संबंध:** इसमें संबंध स्थायी और लंबे समय तक टिकते हैं।
5. **सामाजिक नियंत्रण:** समूह के सदस्य परस्पर आपसी समझ और आदर्शों से नियंत्रित होते हैं।
6. **साझा उद्देश्य:** समूह के सदस्यों का उद्देश्य व्यक्तिगत और सामाजिक विकास पर केंद्रित होता है।

उदाहरण: परिवार और मित्र समूह प्राथमिक समूह के आदर्श उदाहरण हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 34. परम्परागत हिन्दू विवाह के चार उचित और वांछित स्वरूप क्या थे?

उत्तर: परंपरागत हिन्दू विवाह में आठ प्रकार माने गए हैं, जिनमें से चार को **उचित और वांछित** माना गया है। ये विवाह धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से आदर्श माने जाते हैं।

1. **ब्राह्म विवाह** – इसमें कन्या का विवाह योग्य, विद्वान और सुशील वर से बिना किसी लेन-देन के किया जाता है। इसे सबसे श्रेष्ठ और आदर्श विवाह माना जाता है।
2. **दैव विवाह** – इस विवाह में कन्या का विवाह यज्ञ करने वाले पुरोहित से धार्मिक कर्तव्य के रूप में संपन्न होता है।
3. **आर्ष विवाह** – इसमें वर कन्या के पिता को प्रतीकात्मक रूप से एक या दो गायें देकर विवाह करता है।
4. **प्राजापत्य विवाह** – कन्या को गृहस्थ धर्म पालन के उद्देश्य से वर को सौंपा जाता है और दोनों को धर्मपालन का उपदेश दिया जाता है।

ये चारों स्वरूप धार्मिक, नैतिक और सामाजिक दृष्टि से स्वीकार्य हैं और हिन्दू समाज में आदर्श माने जाते हैं।

प्रश्न 35. कार्ल मार्क्स और मैक्स वेबर द्वारा दिये गये सामाजिक स्तरीकरण की अवधारणा पर चर्चा कीजिए।

उत्तर: कार्ल मार्क्स के अनुसार सामाजिक स्तरीकरण का आधार आर्थिक संरचना है। उन्होंने समाज को मुख्यतः दो वर्गों में विभाजित किया - बुर्जुआ वर्ग, जो उत्पादन के साधनों का मालिक होता है, और प्रोलितारियात वर्ग, जो अपनी श्रम शक्ति बेचता है। मार्क्स का मानना था कि इन दोनों वर्गों के बीच वर्ग संघर्ष अनिवार्य है और यही संघर्ष सामाजिक परिवर्तन का मुख्य कारण बनता है।

इसके विपरीत, मैक्स वेबर ने सामाजिक स्तरीकरण को बहुआयामी माना। वेबर के अनुसार समाज में केवल आर्थिक वर्ग ही नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा और राजनीतिक शक्ति भी व्यक्ति की सामाजिक स्थिति को निर्धारित करती है। उन्होंने समाज को वर्ग, स्थिति और सत्ता के आधार पर समझने का प्रयास किया।

इस प्रकार, जहाँ मार्क्स का दृष्टिकोण एकांगी और आर्थिक है, वहीं वेबर का दृष्टिकोण व्यापक और बहुआयामी है।

प्रश्न 36. व्यक्तित्व विकास में समाजीकरण की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर: व्यक्तित्व विकास वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति के विचार, भावनाएँ, व्यवहार, मूल्य और सामाजिक क्षमता विकसित होती है। समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति समाज के नियम, आदर्श, मूल्य और सामाजिक व्यवहार सीखता है। जन्म से लेकर मृत्यु तक यह प्रक्रिया चलती रहती है।

मुख्य बिंदु:

1. **सामाजिक मूल्य और आदर्श सीखना:** समाजीकरण व्यक्ति को ईमानदारी, सहिष्णुता, सहयोग और अनुशासन जैसे सामाजिक मूल्यों से परिचित कराता है।

2. **व्यवहार और अनुशासन:** व्यक्ति सामाजिक नियमों और नैतिक मानदंडों का पालन करना सीखता है। जैसे, स्कूल में छात्रों को समय पर आना, शिक्षक का सम्मान करना।

3. **सामाजिक पहचान और भूमिका:** समाजीकरण से व्यक्ति अपनी सामाजिक भूमिका, जिम्मेदारियाँ और अधिकार समझता है। उदाहरण के लिए, परिवार में बच्चे को बड़ा भाई या बहन बनने की जिम्मेदारी सिखाई जाती है।

4. **भावनात्मक विकास:** परिवार और मित्र समूह से प्रेम, सहानुभूति, सहयोग और सहनशीलता का विकास होता है।

5. **सांस्कृतिक चेतना:** व्यक्ति अपनी संस्कृति, परंपराएँ और रीति-रिवाज सीखता है। उदाहरण: त्यौहारों में भाग लेना और सामाजिक रस्मों का पालन।

इस प्रकार, समाजीकरण व्यक्तित्व विकास का आधार है। इसके माध्यम से व्यक्ति सामाजिक रूप से सक्षम, नैतिक और संतुलित बनता है।

अथवा

सामाजिक परिवर्तन के सांस्कृतिक कारक क्या हैं?

उत्तर: सामाजिक परिवर्तन वह प्रक्रिया है जिसमें समाज की संरचना, व्यवहार और मूल्यों में बदलाव आता है। सांस्कृतिक कारक इन परिवर्तनों को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुख्य बिंदु:

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

1. **धार्मिक विश्वास और सुधार आंदोलन:** धार्मिक विचारों और सुधार आंदोलनों से समाज की पुरानी प्रथाएँ बदलती हैं। उदाहरण: बाल विवाह का अंत।

2. **शिक्षा और ज्ञान का प्रसार:** शिक्षा और विज्ञान समाज में नई सोच, दृष्टिकोण और सामाजिक जागरूकता लाते हैं।

3. **भाषा और संचार माध्यम:** मीडिया, इंटरनेट और सोशल मीडिया से नए विचार और परिवर्तन तेजी से समाज तक पहुँचते हैं।

4. **कला और साहित्य:** कला, साहित्य और फिल्में समाज में नई चेतना और मूल्य विकसित करती हैं।

5. **परंपरा और रीति-रिवाजों में बदलाव:** सांस्कृतिक आदतें जैसे पोशाक, खानपान और व्यवहार धीरे-धीरे बदलती हैं।

उदाहरण: महिला सशक्तिकरण और शिक्षा ने भारत में सामाजिक परिवर्तन को गति दी है।

इस प्रकार, सांस्कृतिक कारक समाज की सोच, मूल्य और व्यवहार बदलकर सामाजिक परिवर्तन को संभव बनाते हैं।

प्रश्न 37. जाति व्यवस्था की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

उत्तर: जाति व्यवस्था भारतीय समाज की प्राचीन सामाजिक संरचना है। यह जन्म आधारित और धार्मिक नियमों पर आधारित व्यवस्था है, जो व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक भूमिकाओं को निर्धारित करती है। यह केवल व्यक्तिगत पहचान नहीं, बल्कि पूरे समाज की संरचना को नियंत्रित करती है।

मुख्य विशेषताएँ:

1. **जन्म आधारित विभाजन:** व्यक्ति की जाति जन्म से तय होती है और जीवनभर अपरिवर्तनीय रहती है। उदाहरण: ब्राह्मण शिक्षा और धर्म में, शूद्र सेवा या श्रम कार्य में।

2. **धार्मिक आधार:** जाति धर्म और कर्मकांड नियमों पर आधारित है। प्रत्येक जाति को धर्म और सामाजिक कर्तव्य निभाने का उत्तरदायित्व दिया जाता है।

3. **पारंपरिक पेशा और व्यवसाय:** ब्राह्मण शिक्षा और धर्म, क्षत्रिय शासन और युद्ध, वैश्य व्यापार और वाणिज्य, शूद्र सेवा कार्य में लगे रहते थे।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

4. **सामाजिक प्रतिबंध:** विवाह और भोजन संबंधी नियम कठोर थे। लोग केवल अपनी जाति के भीतर विवाह और सामाजिक संबंध बनाए।

5. **सामाजिक असमानता:** उच्च जातियों को अधिक सम्मान और अधिकार, निम्न जातियों को कम अवसर प्राप्त होते थे।

6. **स्थायित्व:** जाति संरचना समय के साथ स्थायी रहती है। आधुनिक सुधारों के बावजूद इसका प्रभाव समाज में अभी भी दिखता है।

प्रश्न 38. शहरी समाजों की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: शहरी समाज बड़े औद्योगिक और नगरीकृत क्षेत्रों में पाया जाता है। यह समाज **गतिशील, विविध और आधुनिक** होता है। शहरी समाज आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से ग्रामीण समाज से भिन्न होता है और इसमें व्यक्तिवाद और स्वतंत्रता प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

मुख्य विशेषताएँ:

1. **उच्च जनसंख्या घनत्व:** शहरों में अधिक लोग रहते हैं, जिससे जनसंख्या दबाव बढ़ता है। यह आवास, परिवहन और सार्वजनिक सेवाओं पर प्रभाव डालता है।

2. **औपचारिक और द्वितीयक संबंध:** शहरी समाज में संबंध व्यक्तिगत नहीं, बल्कि औपचारिक और अनुबंध आधारित होते हैं। लोग काम और पेशे के आधार पर जुड़ते हैं।

3. **व्यावसायिक और पेशागत विविधता:** उद्योग, व्यापार, सेवा, शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

4. **सामाजिक गतिशीलता:** व्यक्ति अपनी सामाजिक स्थिति बदल सकता है। शिक्षा और पेशा के माध्यम से सामाजिक उन्नति संभव है।

5. **विविध संस्कृति और बहुसांस्कृतिक समाज:** शहरों में विभिन्न जातियों, धर्मों और भाषाओं के लोग रहते हैं, जिससे सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता बढ़ती है।

6. **व्यक्तिवाद और स्वतंत्रता:** शहरी समाज में व्यक्ति की निजी स्वतंत्रता अधिक होती है और निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

7. **आधुनिक सुविधाएँ:** शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, मनोरंजन और सूचना प्रौद्योगिकी की सुविधाएँ उपलब्ध होती हैं।

अथवा

वर्ण और जाति के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

आधार	वर्ण	जाति
परिभाषा	हिन्दू धर्मशास्त्रों के चार मुख्य वर्ग: ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र	जन्म, व्यवसाय और क्षेत्र आधारित सामाजिक उपवर्ग
आधार	धार्मिक नियम और कर्मकांड	सामाजिक परंपरा, स्थानीय रीति-रिवाज और व्यावहारिक आवश्यकताएँ
संख्या	केवल 4	हजारों उपजातियाँ
गतिशीलता	स्थायी और सैद्धांतिक, जन्म से निर्धारित	समय, क्षेत्र और परिस्थिति के अनुसार परिवर्तनशील
उदाहरण	ब्राह्मण शिक्षा और धर्म में, क्षत्रिय प्रशासन और युद्ध में	एक ही जाति में विभिन्न उपजातियाँ और पेशे, जैसे राजस्थानी या महाराष्ट्र की जातियाँ
निष्कर्ष	धार्मिक और सैद्धांतिक; समाज की व्यापक संरचना दर्शाता है	व्यावहारिक और क्षेत्रीय आधार पर विस्तृत; समाज में प्रत्यक्ष प्रभाव डालता है

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न 39. परिवार की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर: परिवार समाज की सबसे छोटी और मौलिक सामाजिक इकाई है। यह व्यक्ति की सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करता है। परिवार न केवल बच्चों की देखभाल और पालन-पोषण करता है, बल्कि समाज में संस्कार, भाषा और मूल्य भी सिखाता है। यह समाज की स्थिरता और विकास में आधारभूत भूमिका निभाता है।

मुख्य विशेषताएँ:

1. **सामाजिक एकाई:** परिवार व्यक्ति और समाज के बीच का पहला संपर्क होता है। यह सामाजिक पहचान और सुरक्षा प्रदान करता है। परिवार के माध्यम से व्यक्ति सामाजिक नियम और व्यवहार सीखता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

2. **रक्त या विवाह संबंध:** परिवार के सदस्य जन्म या विवाह के माध्यम से जुड़े होते हैं। यह संबंध परिवार को स्थायित्व प्रदान करता है और पीढ़ियों के बीच सामाजिक मूल्यों का आदान-प्रदान सुनिश्चित करता है।

3. **साझा जीवन और संसाधन:** परिवार के सदस्य एक साथ रहते हैं और आवास, भोजन, वस्त्र और अन्य संसाधनों को साझा करते हैं। संयुक्त परिवार में तीन या चार पीढ़ियाँ एक साथ रहती हैं।

4. **आर्थिक सहयोग:** परिवार आर्थिक सहयोग का केंद्र होता है। इसमें आय और व्यय साझा होते हैं और प्रत्येक सदस्य अपने योगदान के अनुसार जिम्मेदारी निभाता है।

5. **सामाजिक और भावनात्मक समर्थन:** परिवार बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों को भावनात्मक सुरक्षा और देखभाल प्रदान करता है। यह सदस्य की मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक विकास में सहायक होता है।

6. **सामाजिकरण का माध्यम:** परिवार बच्चों को सामाजिक मूल्यों, संस्कारों, भाषा, रीति-रिवाज और धर्म की जानकारी देता है। यह व्यक्ति को समाज में स्थापित होने के लिए तैयार करता है।

7. **सदस्यों के अधिकार और कर्तव्य:** परिवार में प्रत्येक सदस्य की भूमिका, अधिकार और जिम्मेदारी तय होती है। माता-पिता, बच्चे और बुजुर्ग सभी मिलकर परिवार की व्यवस्था बनाए रखते हैं।

उदाहरण: भारतीय समाज में संयुक्त परिवार का उदाहरण मिलता है, जहाँ तीन या चार पीढ़ियाँ एक साथ रहती हैं और संसाधनों को साझा करती हैं।

निष्कर्ष: परिवार केवल व्यक्ति का आधार नहीं, बल्कि समाज की स्थिरता और विकास का केंद्र है। यह बच्चों के व्यक्तित्व, नैतिक मूल्यों और सामाजिक समझ के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रश्न 40. जनजातीय समाज की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर: जनजातियाँ ऐसे सामाजिक समूह हैं जो विशिष्ट सांस्कृतिक, भाषाई और ऐतिहासिक पहचान रखते हैं। भारत में जनजातीय समाज अक्सर पहाड़, जंगल और ग्रामीण क्षेत्रों में बसते हैं। ये समाज अपने पारंपरिक रीति-रिवाजों, भाषा और जीवन शैली के लिए प्रसिद्ध हैं।

मुख्य विशेषताएँ:

1. **सीमित और स्वतंत्र क्षेत्र:** जनजातियाँ अक्सर जंगल, पहाड़ या ग्रामीण क्षेत्रों में रहती हैं। उनका निवास क्षेत्र विशेष पहचान और संरक्षण प्रदान करता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

2. **समानता आधारित समाज:** अधिकांश जनजातीय समाज में संपत्ति और अधिकार समान रूप से वितरित होते हैं। सामाजिक पद और संपत्ति पर अत्यधिक असमानता नहीं होती।

3. **सांस्कृतिक विशिष्टता:** प्रत्येक जनजाति की अपनी भाषा, परंपरा, उत्सव और धार्मिक मान्यताएँ होती हैं। ये उनकी पहचान का प्रमुख हिस्सा हैं।

4. **आर्थिक साधन:** जनजातियाँ कृषि, शिकार, मछली पकड़ना और हस्तकला जैसे कामों पर निर्भर रहती हैं। ये आर्थिक गतिविधियाँ पारंपरिक ज्ञान और प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित होती हैं।

5. **सामूहिक निर्णय और नेतृत्व:** जनजातीय समाज में निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाते हैं। नेता या मुखिया समूह द्वारा चुना जाता है और सभी सदस्यों की राय को महत्व दिया जाता है।

6. **पर्यावरण पर निर्भरता:** जीवन का तरीका प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित होता है। जंगल, नदी और खेत इनके जीवन का आधार हैं।

7. **सामाजिक नियंत्रण और नियम:** परंपरा और रीति-रिवाज जनजातियों में सामाजिक नियंत्रण बनाए रखते हैं। उदाहरण के लिए विवाह, भोजन और त्यौहार के नियम कठोर होते हैं।

उदाहरण: गोंड, संथाल और भिल जैसी आदिवासी जनजातियाँ अपनी परंपराओं, त्योहारों और भाषा के लिए जानी जाती हैं।

निष्कर्ष: जनजातीय समाज प्राकृतिक जीवन, सांस्कृतिक विविधता और सामूहिक सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। यह समाज आधुनिक बदलाव के बावजूद अपनी सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक जीवनशैली बनाए रखता है।

अथवा

भारतीय समाज में गली में रहने वाले बच्चों के सामने आने वाली प्रमुख समस्याएँ क्या हैं?

उत्तर: वह गली के बच्चे या सड़क पर रहने वाले बच्चे समाज के **आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग** से आते हैं। ये बच्चे आमतौर पर परिवार की देखभाल से वंचित रहते हैं या परिवार नहीं होने के कारण सड़क पर जीवन यापन करते हैं। उनकी जिंदगी असुरक्षा और कठिनाइयों से भरी होती है, जिससे उनका मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास प्रभावित होता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

मुख्य समस्याएँ:

1. **आवास और सुरक्षा की कमी:** गली के बच्चे खुले में या असुरक्षित स्थानों पर रहते हैं। बारिश, धूप, ठंड और अन्य प्राकृतिक कठिनाइयों का सामना उन्हें अकेले करना पड़ता है। इसके साथ ही सड़क पर रहना उन्हें **चोरी, हिंसा और अपराध** के शिकार भी बना देता है।

2. **शिक्षा का अभाव:** ये बच्चे नियमित रूप से स्कूल नहीं जा पाते। पढ़ाई और सीखने के अवसरों की कमी के कारण वे शैक्षणिक रूप से पिछड़ जाते हैं और जीवन में आगे बढ़ने के अवसरों से वंचित रह जाते हैं।

3. **स्वास्थ्य और पोषण की कमी:** गली के बच्चों का भोजन अस्वच्छ और अपर्याप्त होता है। पीने का पानी साफ नहीं होता और स्वच्छता की कमी के कारण वे कई बीमारियों, संक्रमण और पोषण की कमी से ग्रस्त रहते हैं।

4. **शोषण और अपराध:** सड़क पर रहने वाले बच्चों को बाल श्रम, चोरी, तस्करी और यौन शोषण जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। कई बच्चे झुग्गी-झोपड़ियों या भीड़ वाले इलाकों में काम करने के लिए मजबूर होते हैं, जिससे उनकी शारीरिक और मानसिक सुरक्षा खतरे में रहती है।

5. **सामाजिक भेदभाव:** समाज में इन्हें नकारात्मक दृष्टि से देखा जाता है। गली के बच्चों को अवसरों और सामाजिक समर्थन की कमी का सामना करना पड़ता है। लोग उन्हें अपराधी या आलसी मानते हैं, जिससे उनका समाज में समावेश मुश्किल हो जाता है।

6. **भावनात्मक और मानसिक तनाव:** सड़क पर असुरक्षित जीवन, अभाव और हिंसा के कारण ये बच्चे मानसिक तनाव और भावनात्मक समस्याओं का शिकार होते हैं। इसका प्रभाव उनके व्यक्तित्व और सामाजिक व्यवहार पर पड़ता है, और कई बार ये अपराध और हानिकारक गतिविधियों की ओर झुकाव भी दिखाते हैं।

निष्कर्ष: गली के बच्चों के लिए **सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य** जैसी मूलभूत आवश्यकताएँ सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए सरकार और समाज दोनों को सक्रिय प्रयास करने चाहिए। यदि इन बच्चों को सहयोग, मार्गदर्शन और अवसर दिया जाए तो वे समाज के सकारात्मक और उत्पादक सदस्य बन सकते हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

"वैकल्पिक मॉड्यूल-I"

(महिलाओं का सामाजिक स्तर)

प्रश्न 41. विधवा पुनर्विवाह अधिनियम कब पारित हुआ?

(A) 1855 **(B) 1856**

(C) 1857 **(D) 1858**

उत्तर - (B) 1856

प्रश्न 42. भारतीय संविधान द्वारा किस अनुच्छेद के माध्यम से लैंगिक भेदभाव पर रोक लगाई गई थी?

(A) अनुच्छेद 15 **(B) अनुच्छेद 14**

(C) अनुच्छेद 24 **(D) अनुच्छेद 31**

उत्तर - (A) अनुच्छेद 15

प्रश्न 43. बाल विवाह निरोधक अधिनियम किस वर्ष पारित किया गया था?

(A) 1929 **(B) 1976**

(C) 1955 **(D) 1956**

उत्तर - (A) 1929

प्रश्न 44. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

_____ एक अवधारणा है, जिसका उपयोग उस स्थिति को समझने के लिए किया जाता है, जिसमें पिता और माता दोनों जिम्मेदारी लेते हैं।

उत्तर - साझा जिम्मेदारी

प्रश्न 45. एक शब्द में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

हिंसा चाहे शारीरिक दुर्व्यवहार के रूप में हो या मानसिक यातना के रूप में, _____ में बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - परिवार

प्रश्न 46. महाराष्ट्र में दलित लड़कियों के लिए सबसे पहले स्कूल किसने चलाया?

(A) महर्षि कर्वे **(B) ज्योतिबा फुले**

(C) डॉ० बी० आर० अम्बेडकर **(D) पंडिता रमाबाई**

उत्तर - (B) ज्योतिबा फुले

प्रश्न 47. सही या गलत लिखिए : ईसा पूर्व छठी शताब्दी के आसपास जैन धर्म और बौद्ध धर्म ने जड़ें जमा लीं।

उत्तर - सही ✅

प्रश्न 48. वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति क्या थी?

उत्तर: वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर थी। वे शिक्षा प्राप्त कर सकती थीं, वेद और धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर सकती थीं, और यज्ञ तथा धार्मिक अनुष्ठानों में सक्रिय रूप से भाग लेती थीं। विवाह और सामाजिक कर्तव्यों में उनका योगदान महत्वपूर्ण था। हालांकि, बाद के समय में सामाजिक और धार्मिक नियमों के कड़े होने से उनकी स्वतंत्रता और अधिकार सीमित हो गए।

अथवा

दो धर्मशास्त्रों के नाम बताइए तथा उनकी आचारसंहिता बताइए

उत्तर: दो धर्मशास्त्रों के नाम तथा उनकी आचारसंहिता:-

1. **मनुस्मृति** – इसमें पुरुष और महिला के कर्तव्यों का विवरण दिया गया है। महिलाओं के लिए पति की सेवा, परिवार की देखभाल और सामाजिक कर्तव्यों का पालन करना आवश्यक माना गया।
2. **याज्ञवल्क्य स्मृति** – यह धर्म, सामाजिक नियम और विधि-सम्मत आचरण पर आधारित है। महिलाओं के लिए परिवार में योगदान, पवित्रता बनाए रखना और धार्मिक कर्तव्यों का पालन महत्वपूर्ण माना गया है।

प्रश्न 49. तीन प्रमुख अवधियों के दौरान महिलाओं की स्थिति का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

उत्तर: तीन प्रमुख अवधियों के दौरान महिलाओं की स्थिति:-

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

1. **वैदिक काल:** वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर थी। वे शिक्षा प्राप्त कर सकती थीं, वेदों और धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर सकती थीं। यज्ञ, धार्मिक अनुष्ठान और कला-कौशल में सक्रिय रूप से भाग लेती थीं। विवाह और सामाजिक कर्तव्यों में उनका योगदान महत्वपूर्ण था।

2. **मध्यकालीन अवधि:** मध्यकाल में सामाजिक और धार्मिक नियम कठोर हो गए। महिलाओं की स्वतंत्रता सीमित हो गई और शिक्षा पर प्रतिबंध लगाया गया। वे मुख्यतः गृहकार्य और परिवार की देखभाल तक सीमित रह गईं। उनकी सामाजिक और धार्मिक भागीदारी कम हो गई।

3. **आधुनिक काल (19वीं सदी के बाद):** सामाजिक सुधारों और कानूनों के माध्यम से महिलाओं के अधिकार बढ़े। विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 1856 और महिला शिक्षा अधिनियम जैसे कानूनों ने महिलाओं को शिक्षा, समानता और सामाजिक अधिकार प्राप्त करने का अवसर दिया। महिलाएँ धीरे-धीरे सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक क्षेत्र में सक्रिय हुईं।

निष्कर्ष: इन तीन प्रमुख अवधियों में महिलाओं की स्थिति में समय के साथ सुधार और परिवर्तन हुए। वैदिक काल में स्वतंत्रता और शिक्षा अधिक थी, मध्यकाल में प्रतिबंध बढ़े, और आधुनिक काल में सुधार और समानता के प्रयासों से स्थिति बेहतर हुई।

अथवा

लैंगिक समानता की व्याख्या कीजिए। इसे परिवार में कैसे प्राप्त किया जा सकता है? प्रासंगिक उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर: लैंगिक समानता का अर्थ है पुरुष और महिला को समान अधिकार, अवसर और सम्मान मिलना। इसका मतलब है कि समाज और परिवार में दोनों को समान निर्णय लेने, शिक्षा प्राप्त करने और विकास के अवसर मिलने चाहिए।

परिवार में प्राप्ति के उपाय:-

1. बच्चों को समान शिक्षा और खेल के अवसर देना।
2. माता-पिता दोनों घर के कार्यों और बच्चों की देखभाल में बराबर योगदान करें।
3. परिवार में सभी निर्णय लेने में दोनों की राय को बराबरी का अधिकार दें।
4. महिलाओं और पुरुष दोनों को परिवार के निर्णय और सामाजिक गतिविधियों में समान भागीदारी दें।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

"वैकल्पिक मॉड्यूल-II"

(भारतीय संस्कृति)

प्रश्न 41. समय और स्थान के आयाम संस्कृति को बनाते हैं

(A) सीखा हुआ **(B) जीवन जीने का तरीका**

(C) समझदारी **(D) गतिशील**

उत्तर - (D) गतिशील

प्रश्न 42. ज्ञान, विश्वास, नैतिकता, कानून और रीति-रिवाज किसके उदाहरण हैं?

(A) धर्म **(B) संस्कृति**

(C) भौतिक संस्कृति **(D) अभौतिक संस्कृति**

उत्तर - (D) अभौतिक संस्कृति

प्रश्न 43. भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण की स्थापना कब हुई थी?

(A) 1921 **(B) 1916**

(C) 1925 **(D) 1926**

उत्तर – कोई भी विकल्प सही नहीं है। **सही उत्तर 1851 है।**

प्रश्न 44. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

_____ भारत के परमाणु विज्ञान के जनक के रूप में जाने जाते हैं।

उत्तर - होमी भाभा

प्रश्न 45. एक शब्द में परिभाषित कीजिए :

किसी विषय का व्यवस्थित रूप से लिखित औपचारिक विवरण।

उत्तर – प्रेक्षण

प्रश्न 46. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

_____ प्राचीन भारत के एक प्रसिद्ध गणितज्ञ थे।

उत्तर - आर्यभट्ट

प्रश्न 47. सही या गलत लिखिए :

मुगल बाग-बगीचों के लिए प्रसिद्ध थे।

उत्तर - सही ✅

प्रश्न 48. भारतीय सांस्कृतिक विरासत को समझने के लिए हमारी संस्कृति के किन्हीं दो पहलुओं की विवेचना कीजिए।

उत्तर - भारतीय सांस्कृतिक विरासत को समझने के लिए हमारी संस्कृति के दो पहलू:-

1. **भौतिक संस्कृति :** इसमें मंदिर, स्तूप, महल, मूर्तियाँ, कलाकृतियाँ और अन्य भौतिक वस्तुएँ शामिल हैं। ये समाज की तकनीकी और कलात्मक प्रगति को दिखाती हैं।
2. **अभौतिक संस्कृति :** इसमें ज्ञान, विश्वास, रीति-रिवाज, नैतिकता, कानून और परंपराएँ शामिल हैं। ये समाज के मूल्यों, आचार और व्यवहार को दर्शाती हैं।

अथवा

कुछ लेखकों के नाम का संक्षेप में उल्लेख कीजिए, जिनकी रचनाएँ विरासत के दायरे में आ गई हैं।

उत्तर - कुछ लेखकों के नाम जिनकी रचनाएँ सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा हैं:-

- **कालिदास :** संस्कृत नाटक और काव्य के प्रसिद्ध कवि।
- **बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय :** साहित्य और राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने वाले लेखक।
- **रवींद्रनाथ ठाकुर :** साहित्य, गीत और संगीत के माध्यम से भारतीय संस्कृति और कला को विश्व पटल पर प्रस्तुत किया।

प्रश्न 49. प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक के योगदानों पर प्रकाश डालिए।

उत्तर - प्राचीन भारत में कई वैज्ञानिकों ने विज्ञान, गणित और चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

1. **आर्यभट्ट :** शून्य और दशमलव पद्धति का आविष्कार किया। खगोल विज्ञान में ग्रहों की गति, पृथ्वी के घूर्णन और सूर्य के चारों ओर ग्रहों के चक्र का अध्ययन किया।
2. **चरक :** आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली का विकास किया। स्वास्थ्य और रोगनिदान में प्रयोग होने वाले सिद्धांत और औषधियाँ तैयार की।
3. **सुश्रुत :** शल्य चिकित्सा और सर्जरी के क्षेत्र में अग्रणी थे। उन्होंने शल्य क्रियाओं और चिकित्सा उपकरणों का विवरण दिया।
4. **भास्कराचार्य :** गणित और खगोल विज्ञान में योगदान दिया। उन्होंने शून्य, दशमलव और ग्रहों की गणना से संबंधित सिद्धांत विकसित किए।

इन वैज्ञानिकों के योगदान ने प्राचीन भारत को विश्व में विज्ञान और गणित के क्षेत्र में अग्रणी बनाया।

अथवा

मानदंडों और मूल्यों के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - मानदंडों और मूल्यों के बीच अंतर:-

आधार	मानदंड	मूल्य
परिभाषा	समाज द्वारा बनाए गए व्यवहार के नियम और अपेक्षाएँ	समाज में आदर्श और महत्व दिए जाने वाले सिद्धांत
उद्देश्य	व्यक्तियों के व्यवहार को नियंत्रित करना	सही और महत्वपूर्ण मान्यताओं को दर्शाना
कठोरता	अपेक्षाकृत अनिवार्य और पालन करना जरूरी	अपेक्षाकृत लचीले, आदर्श के रूप में अपनाए जाने वाले
उदाहरण	स्कूल में समय पर आना, नियमों का पालन करना	ईमानदारी, सहानुभूति, समानता का पालन करना

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Thank you!

We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.

Strive for Excellence – Your Path to Success